

# CHILD-FRIENDLY LOCAL GOVERNANCE

Institutionalising Bal and Balika Panchayats



सशक्त पंचायत सतत् विकास

unicef  | for every child



Child Friendly Village



# बाल सुलभ एवं जेण्डर अनुकूल ग्राम पंचायत





# Child-Friendly GPDP: A Video Demonstration

This video creates awareness about Bal Panchayats among the children as well as the villagers – villagers and children themselves are aware of and sensitive towards child rights





# WASH and Health: A Video Demonstration

This video creates awareness among the villagers about access to clean drinking water and its implications on health





# Early Marriage: Video Demonstrations

Video 1 aims to create awareness against early marriage (marriage before aged 18 years)



**Stop Child Marriage  
and Educate a Girl  
Child**





# Gender Equality: A Video Demonstration

This video creates awareness among the villagers about gender equality





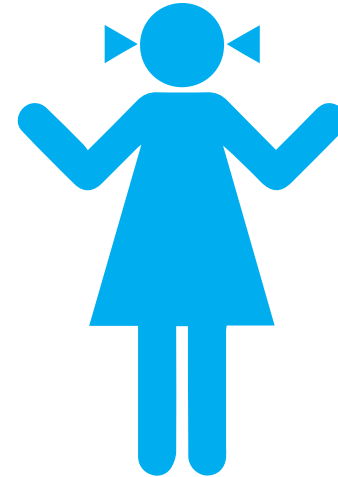
# बाल अधिकार

भारत का संविधान और संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार सम्मेलन/कन्वेंशन (UNCRC) सभी बच्चों को कुछ अधिकारों की गारंटी देता है।

इन अधिकारों को विशेष रूप से बच्चों के लिए स्वस्थ और गैर-भेदभावपूर्ण वातावरण बनाने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए शामिल किया गया है कि बच्चों के सही देखभाल हो, उनके साथ सम्मान के साथ व्यवहार किया जाए और वे सभी प्रकार के हिंसा, यौन शोषण आदि से सुरक्षित रहें।

इन्हें बाल अधिकार कहा जाता है।

भारत ने  
11 दिसंबर 1998  
को यूएनसीआरसी  
पर हस्ताक्षर किए।





# Legal Provisions for Children: Global and India

## UN Convention on the Rights of Children

The UN Convention on the Rights of the Child (UNCRC) 1989 states that **children have a right to be listened to when decisions are being taken that concern them**. Having a voice in family matters is considered a protective factor from harm, and key to promoting children's wellbeing.

## Constitutional Provisions in India

The Constitution of India **guarantees Fundamental Rights to all children of the country belonging to every caste, community or religion on equal basis, whether they live in the cities or in villages**. To make sure that children enjoy these rights, it also provides that government makes special laws and schemes for them.







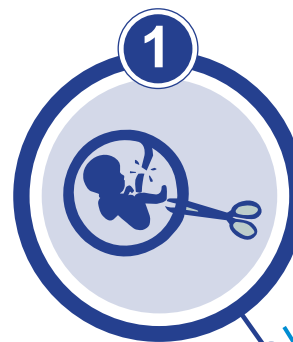
# Child-Friendly Villages and Children's Voice

## On Major Challenges Faced by Children

In the true spirit of UN Convention of Child Rights 1989 (Article 12) and the Constitution of India, the expert group report on localization of SDG by MoPR has committed to build child-friendly villages through achieving the indicators captured as a part of the Theme 3 of the report of the local indicator framework.



Female Feticide



Early Marriage



Child Trafficking



Child Abuse



Child Labour





# Key Issues to be Discussed in Bal/Balika Panchayats

The eventual objective is to ensure that children's voices are heard for village level planning, budgeting, implementation, and monitoring of various child-specific schemes and programs

Nutrition



Health



Immunization



Water and Sanitation



Open Play Areas



Adolescent girls' Health, and Menstrual Hygiene





# संरक्षण का अधिकार / Right to Protection

सभी प्रकार के शोषण से सुरक्षा का अधिकार



बच्चों का अवैध व्यापार



बाल श्रम



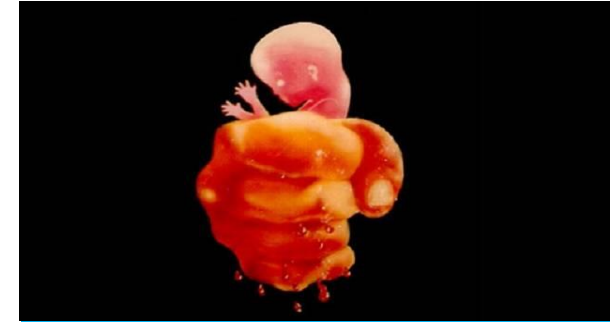
बच्चों के खिलाफ हिंसा



यौन शोषण



बाल विवाह



कन्या भ्रूण हत्या





# Participatory Approach to the Major Challenges:

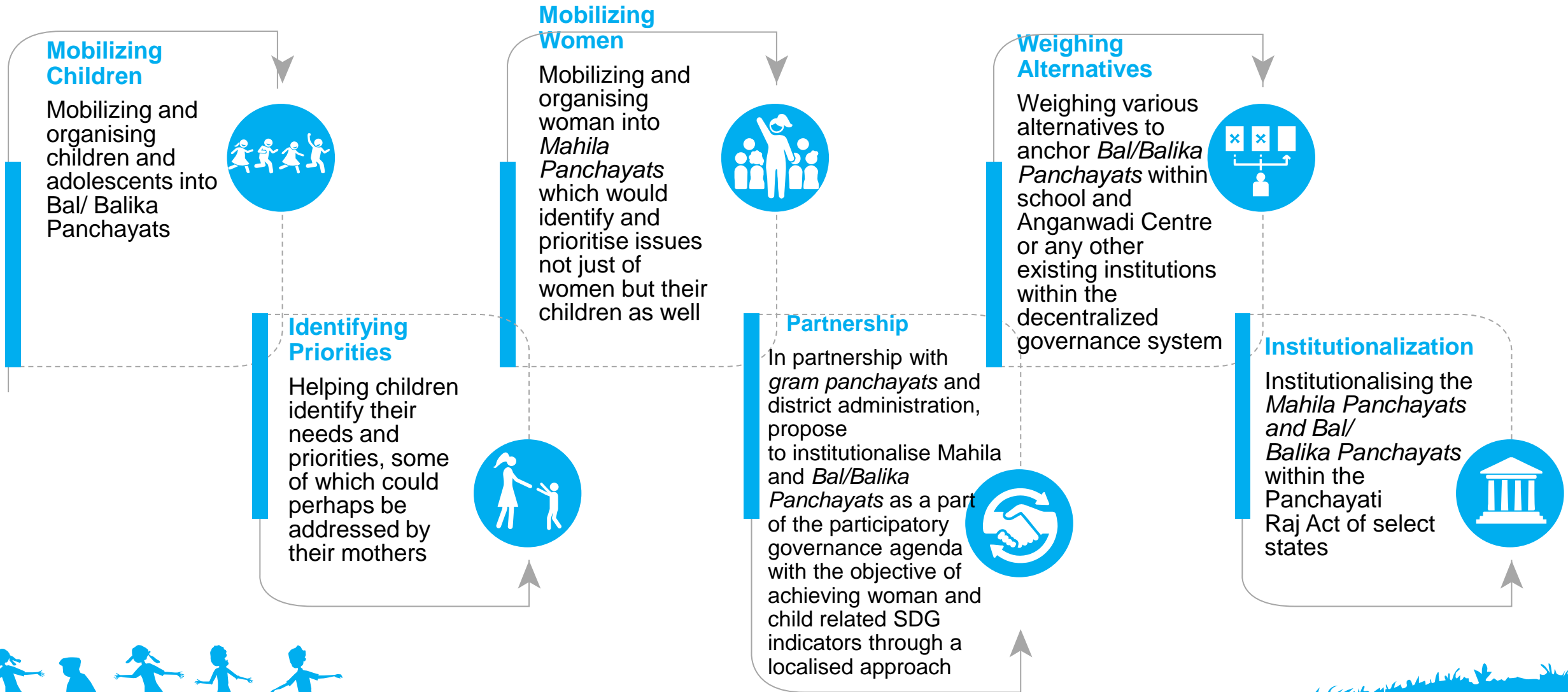
## Experiments by UNICEF

UNICEF has experimented several models across various states and has **engaged actively with multiple gram panchayats to closely work with women and children to prioritise identification and incorporation of child-related issues and challenges into the village perspective plans normally known as the gram panchayat development plans (GPDP).**





# How is UNICEF Engaging with GPs?



# बाल उत्तरजीविता



## ग्राम पंचायतें क्या कर सकती हैं?



### पहचान

- ▶ टीकाकरण, पोषण और बाल अस्तित्व की निगरानी के लिए बच्चों को पाहेचानें।
- ▶ गर्भवती माताओं को टीकाकरण, पोषण और बच्चे के उत्तरजीविता के लिए पाहेचानें।



### सुनिश्चित करना

- ▶ समय पर पंजीकरण और जन्म प्रमाण पत्र जारी करना।
- ▶ हर परिवार, आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों आदि में सुरक्षित पेयजल और शौचालय सुनिश्चित करना



### सुगम करना

- ▶ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं आदि के साथ समन्वय।
- ▶ VHSNC की नियमित बैठकें और 'आरोग्य दिवस' का अवलोकन



### प्रचार-प्रसार

- ▶ सभी गर्भधारण का शीघ्र पंजीकरण और माताओं की उचित देखभाल।
- ▶ 100% संस्थागत प्रसव और टीकाकरण।
- ▶ सामुदायिक समूहों, एसएचजी आदि के साथ सरकारी योजनाओं, सार्वजनिक स्वास्थ्य, कम उम्र में शादी और कम उम्र में गर्भधारण जैसी सामाजिक बुराइयों पर जागरूकता कार्यक्रम।

# बाल विकास



## ग्राम पंचायतें क्या कर सकती हैं?



### भर्ती

- ▶ बच्चों (0-6 वर्ष), विशेष रूप से कमजोर बच्चों को प्री-स्कूलिंग, पूरक पोषण, टीकाकरण, विकास निगरानी, स्वास्थ्य सेवाओं आदि के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में लाएं।
- ▶ स्कूल में छात्र और ड्रॉप आउट को रोकें।



### सुनिश्चित करना

- ▶ विद्यालयों में वृक्षारोपण/किचन गार्डन, चाहरदीवारी लगाना, साफ-सफाई और बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालयों का निर्माण।
- ▶ बच्चों के पार्क, खेल के मैदान का निर्माण और विभिन्न प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- ▶ सामुदायिक योगदान के साथ बुक बैंक (नए, पुराने, दान किए गए आदि)/पुस्तकालय का निर्माण।



### आसान करना

- ▶ मिड डे मील की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ बातचीत और निगरानी करना।
- ▶ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों से संबंधित मुद्दों आदि को दूर करने के लिए शिक्षकों, ग्राम शिक्षा समितियों और अभिभावकों के साथ बैठक/कार्यशाला।

(प्रचार-प्रसार)



### प्रचार-प्रसार

- ▶ ड्रॉप आउट बच्चों को वापस लाने के लिए विशेष अभियान।
- ▶ बाल दिवस, बालिका दिवस आदि आयोजनों का अवलोकन।
- ▶ गरीब और कमजोर परिवारों की लड़कियों और लड़कों को पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने पर विशेष पुरस्कार।

# बाल संरक्षण



## ग्राम पंचायतें क्या कर सकती हैं?



### प्रचार-प्रसार

- ▶ बाल श्रम, ट्रैफिकिंग, यौन शोषण, हिंसा, कम उम्र में शादी, कन्या भ्रूण हत्या और बच्चों के खिलाफ हानिकारक प्रथाओं को रोकने के लिए जागरूकता अभियान।
- ▶ स्कूल में बच्चों की शारीरिक दंड को रोकने के लिए स्थानीय स्कूलों से विचार-विमर्श करना।



### सुनिश्चित करना

- ▶ 'बाल हितैषी पंचायत' बनने के लिए बैठक/ग्राम सभा/वार्ड सभा में संकल्प।
- ▶ बाल विवाह, बाल श्रम, तस्करी आदि को रोकने/रिपोर्ट करने के लिए सामाजिक न्याय स्थायी समिति और सामुदायिक सतर्कता समिति/समूहों को सक्रिय करें।
- ▶ ग्राम और प्रखंड बाल संरक्षण समिति, जिला बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन (1098) आदि के संपर्क नंबरों का व्यापक प्रसार/प्रदर्शन।



### आसान करना

- ▶ एकीकृत बाल संरक्षण योजना (आईसीपीएस) के तहत ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण समिति (सीपीसी) बनाना।
- ▶ बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों की पुलिस को रिपोर्ट करना।



### निगरानी

- ▶ बाल तस्करी, बाल श्रम और लापता बच्चों को रोकने के लिए जोखिम वाले बच्चों (प्रवासियों/अनाथों/कमजोर परिवारों) पर निगरानी।
- ▶ अपराध/दुर्व्यवहार के पीड़ितों को कलंक और भेदभाव से बचाने के लिए परिवारों के साथ जुड़ें।



# बाल भागीदारी



## ग्राम पंचायतें क्या कर सकती हैं?



### प्रचार-प्रसार

- ▶ बच्चों की भागीदारी को सुगम बनाने के लिए स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, बाल दिवस आदि जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों/दिनों के अवलोकन में बच्चों को शामिल करना।
- ▶ ग्राम बाल संरक्षण समिति (वीसीपीसी) में बाल प्रतिनिधित्व।



### सुनिश्चित करना

- ▶ बाल सभा का आयोजन जहां बच्चे अपने मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं।
- ▶ पंचायत क्षेत्र और संस्थानों में बच्चों के अनुकूल उपकरण जो बच्चों द्वारा आसानी से उपयोग किया जा सकता है (छोटा/नीचा शौचालय, नलकूप, बच्चों के पार्क) सुनिश्चित करें।
- ▶ पंचायत विकास योजनाओं की तैयारी, कार्यान्वयन और निगरानी में बच्चों/किशोरों की भागीदारी।
- ▶ किशोरों/बच्चों को पंचायत की बैठकों में उनके मुद्दों और राय को व्यक्त करने के लिए आमंत्रित करना।



### आसान करना

- ▶ बच्चों के बीच सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स क्लब, साइंस क्लब, कल्चरल क्लब जैसे क्लबों के निर्माण को सुगम बनाना।
- ▶ पंचायत की क्षमता, प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और स्थानीय विकास के लिए संरक्षण पर बच्चों को शिक्षित करने के लिए स्थानीय स्कूलों के साथ वकालत।



# Call for Action

## Child Survival

- IEC materials to generate awareness about the need and importance of improved access to public health service delivery, availability and accessibility of health services.

## Child Development

- Educating and awareness generation about cognitive development of children as well provide a platform to raise and discuss child development related issues and convey them to the *Gram Sabhas*.

## Child Protection

- Awareness generation among Gram Panchayat elected representatives and functionaries as well as among women and children for establishing and operationalising the Child Protection Committees at the GP level.

## Child Participation

- Work at the GP level to organise women and children assemblies (*Mahila & Bal/Balika Panchayats*) to identify and integrate children priorities into GPDPs.





सशक्त पंचायत सतत् विकास



Child Friendly Village

# Thank you!



unicef  | for every child